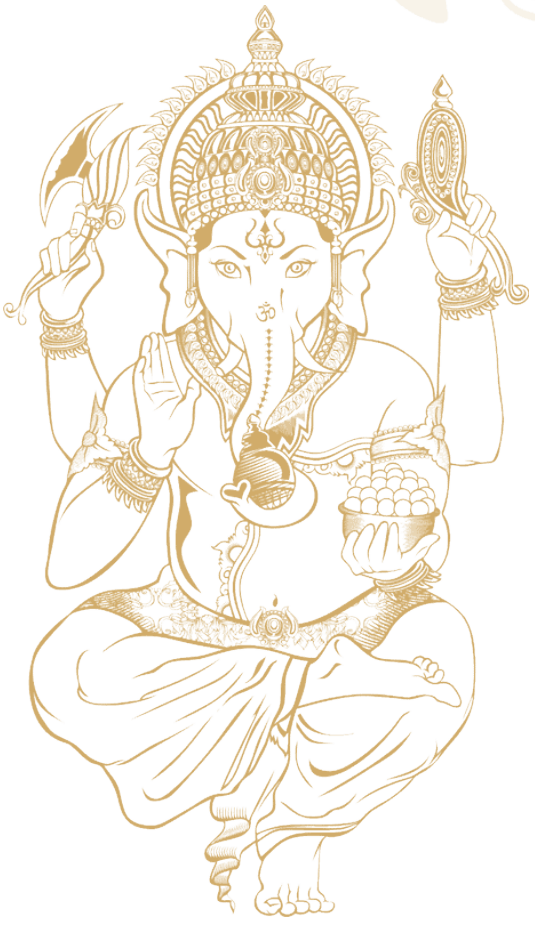

Rajveer Chinu

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119561102

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
10/09/1993 :	जन्म तिथि	: 15/10/1996
शुक्रवार :	दिन	: मंगलवार
घंटे 08:56:00 :	जन्म समय	: 17:04:00 घंटे
घटी 07:00:31 :	जन्म समय(घटी)	: 26:26:44 घटी
India :	देश	: India
Ludhiana :	स्थान	: Ludhiana
30:56:00 उत्तर :	अक्षांश	: 30:56:00 उत्तर
75:52:00 पूर्व :	रेखांश	: 75:52:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:32 :	स्थानिक संस्कार	: -00:26:32 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:07:47 :	सूर्योदय	: 06:29:18
18:38:45 :	सूर्यास्त	: 17:54:56
23:46:24 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:48:45

विंशोत्तरी मंगल 1वर्ष 4मा 30दि		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी शनि 18वर्ष 6मा 28दि	
गुरु		29:06:23	कन्या	लग्न	मीन	11:33:02	बुध	
08/02/2013		23:40:03	सिंह	सूर्य	कन्या	28:34:47	**14/05/2015**	
08/02/2029		03:58:13	मिथु	चंद्र	वृश्चि	03:37:48	**14/05/2032**	
गुरु	30/03/2015	24:56:20	कन्या	मंगल	कर्क	27:45:53		
शनि	10/10/2017	03:57:06	कन्या	बुध	कन्या	16:29:50	बुध	10/10/2017
बुध	16/01/2020	23:10:01	कन्या	गुरु	धनु	16:40:12	केतु	07/10/2018
केतु	22/12/2020	22:20:59	कर्क	शुक्र	सिंह	19:26:54	शुक्र	07/08/2021
शुक्र	23/08/2023	01:38:40	कुंभ व	शनि व	मीन	08:44:26	सूर्य	14/06/2022
सूर्य	10/06/2024	12:50:35	वृश्चि व	राहु व	कन्या	14:10:08	चन्द्र	13/11/2023
चन्द्र	10/10/2025	12:50:35	वृष व	केतु व	मीन	14:10:08	मंगल	09/11/2024
मंगल	16/09/2026	24:34:46	धनु व	हर्ष	मक	06:50:31	राहु	30/05/2027
राहु	08/02/2029	24:42:40	धनु व	नेप	मक	01:11:09	गुरु	04/09/2029
		29:21:29	तुला	प्लूटो	वृश्चि	07:40:29	शनि	14/05/2032

लग्न-चलित

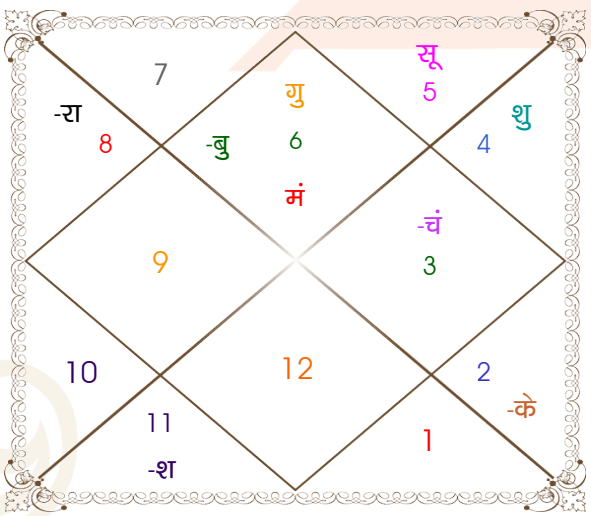

लग्न-चलित

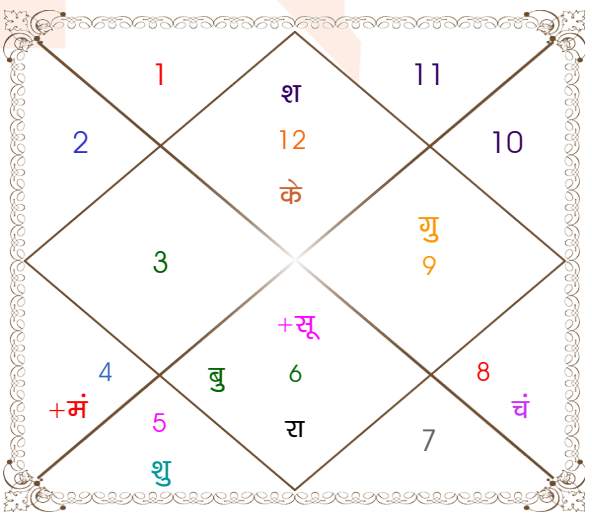

HARE KRISHNA ASTRO
ASTROLOGER SANDEEP ARORA
Shiffali Park Street , Sunder Nagar
Ludhiana .
9877727067

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	11.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि त्रअममत का नक्षत्र मृगशिरा है।

त्रअममत का वर्ग मार्जार है तथा Chinu का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार त्रअममत और Chinu का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

त्रअममत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु त्रअममत कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Chinu मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Chinu कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रअममत तथा Chinu में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।